# बिहार
## लोक सेवा आयोग

# बी पी एस सी
## पाठ्यक्रम

हिन्दी माध्यम

प्रयास
IAS ACADEMY

An Institute For UPSC & BPSC

# बीपीएससी परीक्षा पाठ्यक्रम

यह बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा का संशोधित और अद्यतन पैटर्न और पाठ्यक्रम है।

सिविल सेवा परीक्षा सबसे कठिन और व्यापक परीक्षाओं में से एक है जो उम्मीदवार का सर्वांगीण परीक्षण करती है।

इसलिए, परिणामोन्मुख तैयारी के लिए बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा के पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझना और आत्मसात करना आवश्यक है।

भाग - I

# प्रारंभिक परीक्षा

प्रारंभिक परीक्षा दो घंटे की होगी, जिसमें सामान्य अध्ययन का एक पेपर 150 अंकों का होता है। प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में होगा।

प्रारंभिक परीक्षा के सामान्य अध्ययन पेपर का प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ और बहुविकल्पीय प्रकार का होगा। अभ्यर्थी वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्र (प्रश्न पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर का उपयोग नहीं कर सकते।

प्रारंभिक परीक्षा सिर्फ एक स्क्रीनिंग टेस्ट होगी, जिसके आधार पर उम्मीदवार का चयन मुख्य परीक्षा के लिए किया जाएगा। अत: इसमें प्राप्त अंकों का मुख्य परीक्षा से कोई संबंध नहीं होगा। अर्हता प्राप्त करना अनिवार्य होगा और इसके लिए आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त करने होंगे। मुख्य परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्ट किए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या कुल अधिसूचित रिक्तियों की दस गुना होगी।

प्रत्येक सही उत्तर के लिए उम्मीदवारों को एक अंक मिलेगा और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0.33 अंक काटे जाएंगे।

प्रारंभिक परीक्षा के पिछले वर्ष के पेपर के अनुसार –

30 प्रश्न – इतिहास

30 प्रश्न – सामान्य विज्ञान

10 प्रश्न – गणित

30 प्रश्न – करेंट अफेयर्स

12 प्रश्न – भारतीय राजव्यवस्था

12 प्रश्न – अर्थव्यवस्था

10 प्रश्न – भूगोल

15-20 प्रश्न – बिहार विशेष

भाग - II

# मुख्य परीक्षा

## मुख्य परीक्षा के अनिवार्य विषय

| विषय कोड | विषय | पूर्णांक | समय अवधि |
|---|---|---|---|
| 01. | सामान्य हिंदी | 100 | 3 घंटा |
| 02. | सामान्य अध्ययन पेपर-I | 300 | 3 घंटा |
| 03. | सामान्य अध्ययन पेपर-II | 300 | 3 घंटा |
| 38. | निबंध | 300 | 3 घंटा |
| 04 to 37 | वैकल्पिक विषय (MCQ) | 100 | 2 घंटा |

**NOTE**

- प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में होगा।
- सभी गैर-भाषाई विषयों के उत्तर हिंदी या अंग्रेजी या उर्दू में एक भाषा में दिए जा सकते हैं। अभ्यर्थियों को अन्य भाषा में उत्तर देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- प्रश्नपत्रों का उत्तर देने का विकल्प चुनने वाले उम्मीदवार, यदि चाहें, तो तकनीकी शब्दों/वाक्यांशों/उद्धृत अंशों का अंग्रेजी संस्करण, यदि कोई हो, केवल उनके द्वारा चुनी गई भाषा में दे सकते हैं।
- अभ्यर्थी को प्रश्नपत्र का उत्तर अपनी हस्तलिपि में लिखना होगा।
- किसी भी हालत में दूसरों से मदद लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।
- परीक्षा के सभी विषयों में निर्धारित शब्दों की संख्या में व्यवस्थित, सूक्ष्म एवं सशक्त अभिव्यक्ति को श्रेय दिया जायेगा।
- प्रश्न पत्रों में जहां भी आवश्यक हो, प्रश्न मैट्रिक प्रणाली में होंगे।
- अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्रों का उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (जैसे- 1, 2,3, 4, 5,6,7,8,9) का ही उपयोग करना चाहिए।
- यदि उम्मीदवार चाहें तो मुख्य परीक्षा में कैलकुलेटर का उपयोग कर सकते हैं। परीक्षा में कैलकुलेटर माँगने या बदलने की अनुमति नहीं है।
- बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के कट-ऑफ विश्लेषण के हालिया रुझानों के अनुसार सामान्य (पुरुष) के लिए 64वीं, 65वीं, 66वीं, 67वीं, 68वीं और 69वीं प्रारंभिक परीक्षा में क्रमश: 97, 97, 108, 113, 91 और 91.67 कट-ऑफ था।
- मुख्य परीक्षा की मेरिट सूची सामान्य अध्ययन I, सामान्य अध्ययन II और निबंध विषयों में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

# प्रारंभिक परीक्षा

## सामान्य अध्ययन

इस पत्र में सामान्य अध्ययन के निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित प्रश्न होंगें :-

सामान्य विज्ञान

भारत का इतिहास तथा बिहार के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ।

सामान्य भूगोल :- बिहार के प्रमुख भौगोलिक प्रभाग तथा यहाँ की महत्वपूर्ण नदियाँ।

भारत की राज्य व्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था, आजादी के पश्चात् बिहार की अर्थव्यवस्था में प्रमुख परिवर्तन।

भारत की राष्ट्रीय आंदोलन तथा इसमें बिहार का योगदान।

सामान्य मानिसक योग्यता को जाँचने वाला प्रश्न।

उपर्युक्त विषयों का विवरण :

सामान्य विज्ञान के अन्तर्गत दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से संबंधित विषयों सहित विज्ञान की सामान्य जानकारी तथा परिबोध पर ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसकी किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया है।

इतिहास के अन्तर्गत विषय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में विषय की सामान्य जानकारी पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे बिहार के इतिहास की मुख्य घटनाओं से परिचित होंगे।

भूगोल विषय में ''भारत तथा बिहार'' के भूगोल पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। ''भारत तथा बिहार का भूगोल'' के अन्तर्गत देश के सामाजिक तथा आर्थिक भूगोल से संबंधित प्रश्न होंगे, जिनमें भारतीय कृषि प्राकृतिक साधनों की प्रमुख विशेषताएँ सम्मिलित होंगी।

भारत की राज्य व्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था के अन्तर्गत देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास तथा भारतीय योजना (बिहार के संदर्भ में भी) संबंधी जानकारी का परीक्षण किया जायेगा।

''भारत के राष्ट्रीय आंदोलन'' के अन्तर्गत उन्नीसवीं शताब्दी के पुनरूत्थान के स्वरूप और स्वभाव, राष्ट्रीयता का विकास तथा स्वतंत्रता प्राप्ति से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका पर पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दें।

इस पत्र में प्रश्न बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यमिक (सेकेण्डरी) स्तर के होंगे। इस परीक्षा में सरल हिन्दी में अपने भावों को स्पष्टत: एवं शुद्ध-शुद्ध रूप में व्यक्त करने की क्षमता और सहज बोध शक्ति की जाँच समझी जायेगी।

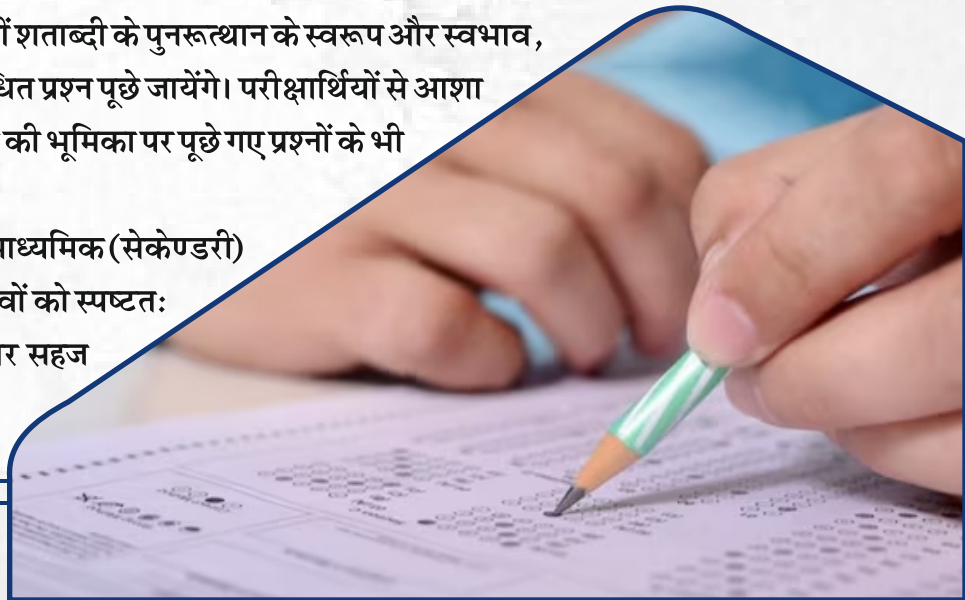

# मुख्य परीक्षा

## सामान्य हिंदी

सामान्य हिंदी में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा, लेकिन इसे योग्यता निर्धारण के प्रयोजन के लिए नहीं गिना जाएगा ।

इस पत्र में प्रश्न बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यमिक (सेकेण्ड्री) स्तर के होंगे। इस परीक्षा में सरल हिंदी में अपने भावों को स्पष्टत: एवं शुद्ध – शुद्ध रूप में व्यक्त करने की क्षमता और सहज बोध शक्ति की जाँच समझी जायेगी।

अंकों का विवरण निम्न प्रकार होगा :-

| | | |
|---|---|---|
| निबन्ध | – | 30 अंक |
| व्याकरण | – | 30 अंक |
| वाक्य विन्यास | – | 25 अंक |
| संक्षेपण | – | 15 अंक |

## सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र I और प्रश्न पत्र II के भाग के निम्नलिखित क्षेत्र होंगे :

## सामान्य अध्ययन – पेपर–I

(1) भारत का आधुनिक इतिहास और भारतीय संस्कृति ।

(2) राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का वर्त्तमान घटना चक्र।

(3) सांख्यिकी विश्लेषण, आरेखन और चित्रण।

पेपर-1 में आधुनिक भारत (बिहार के विशेष सन्दर्भ में) के इतिहास और भारतीय संस्कृति के अन्तर्गत लगभग उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य भाग से लेकर देश के इतिहास की रूप रेखा के साथ-साथ गाँधी, और नेहरू से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

बिहार के आधुनिक इतिहास के संदर्भ में प्रश्न इस क्षेत्र में बिहार की भूमिका (प्रौद्योगिकी शिक्षा समेत) के आरम्भ और विकास से पूछे जायगें। इसमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका से संबंधित प्रश्न रहेंगे।

ये प्रश्न मुख्यत: संथाल विद्रोह, बिहार में 1857 बिरसा का आंदोलन, चम्पारण सत्याग्रह तथा 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन से पूछे जाएँगे।

परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे मौर्य काल तथा पाल काल और पटना कलम चित्रकला की मुख्य विशेषताओं से परिचित होंगे।

सांख्यिकीय विश्लेषण, आरेखन और सचित्र निरूपण से संबंधित विषयों में सांख्यिकीय आरेखन या चित्रात्मक रूप से प्रस्तुत सामग्री की जानकारी के आधार पर सहज बुद्धि का प्रयोग करते हुए कुछ निष्कर्ष निकालना और उसमें पाई गई कमियों, सीमाओं और असंगतियों का निरूपण करने की क्षमता की परीक्षा होगी।

## सामान्य अध्ययन – पेपर – II

(1) भारतीय राज्य व्यवस्था

(2) भारतीय अर्थ व्यवस्था और भारत का भूगोल

(3) भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव

पेपर II में, भारतीय राजनीति से संबंधित भाग में बिहार सहित भारत में राजनीतिक व्यवस्था पर प्रश्न शामिल होंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत के भूगोल से संबंधित भाग में, भारत में योजना और भारत और बिहार के भौतिक, आर्थिक और सामाजिक भूगोल पर प्रश्न पूछे जाएंगे।

भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव से संबंधित तीसरे भाग में, भारत और बिहार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव के बारे में उम्मीदवार की जागरूकता का परीक्षण करने के लिए प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें प्रायोगिक पहलुओं पर जोर दिया जाता है।

खंड I में पहला प्रश्न लघु उत्तरीय होगा, जो अनिवार्य है। उसके बाद दो प्रश्न होंगे, प्रत्येक में एक विकल्प होगा, लेकिन उनमें से एक अनिवार्य होगा।

खण्ड II में पहला प्रश्न लघु उत्तरीय होगा, जो अनिवार्य है। उसके बाद दो प्रश्न होंगे, प्रत्येक में एक विकल्प होगा, लेकिन उनमें से एक अनिवार्य होगा।

खण्ड III में पहला प्रश्न लघु उत्तरीय होगा, जो अनिवार्य है। इसके अलावा दूसरे प्रश्न में एक विकल्प होगा, जो अनिवार्य होगा।

# वैकल्पिक विषय (क्वालिफाइंग)

नोट: वैकल्पिक विषयों का मानक लगभग पटना विश्वविद्यालय के तीन वर्षीय ऑनर्स के समान ही होगा।

वैकल्पिक विषय–100 अंक

प्रत्येक अभ्यर्थी को निम्नलिखित वैकल्पिक विषयों में से विषय कोड–04 से विषय कोड–37 तक केवल एक वैकल्पिक विषय का चयन करना होगा और परीक्षा की अवधि 02 घंटे होगी।

सामान्य वर्ग के लिए 40 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग के लिए 36.5 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए 34 प्रतिशत और अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 32 प्रतिशत न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा, लेकिन इसे अंतिम चयन के निर्धारण में नहीं गिना जाएगा।

बिहार लोक सेवा आयोग ने वैकल्पिक पेपर के लिए अलग–अलग विषयों के विकल्प दिए हैं। अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे बुद्धिमानीपूर्वक एक वैकल्पिक पेपर चुनें। वैकल्पिक पेपरों की सूची इस प्रकार है–

| विषय कोड | विषय | विषय कोड | विषय |
|---|---|---|---|
| 4. | कृषि विज्ञान | 21. | दर्शन शास्त्र |
| 5. | पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विज्ञान | 22. | भौतिकी |
| 6. | मानव विज्ञान | 23. | राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध |
| 7. | वनस्पति विज्ञान | 24. | मनोविज्ञान |
| 8. | रसायन विज्ञान | 25. | लोक प्रशासन |
| 9. | सिविल इंजीनियरिंग | 26. | समाज शास्त्र |
| 10. | वाणिज्यिक शास्त्र तथा लेखा विधि | 27. | सांख्यिकी |
| 11. | अर्थशास्त्र | 28. | प्राणी विज्ञान |
| 12. | विद्युत इंजीनियरिंग | 29. | हिन्दी भाषा और साहित्य |
| 13. | भूगोल | 30. | अंग्रेजी भाषा और साहित्य |
| 14. | भू-विज्ञान | 31. | उर्दू भाषा और साहित्य |
| 15. | इतिहास | 32. | बंगला भाषा और साहित्य |
| 16. | श्रम एवं समाज कल्याण | 33. | संस्कृत भाषा और साहित्य |
| 17. | विधि | 34. | फारसी भाषा और साहित्य |
| 18. | प्रबन्ध | 35. | अरबी भाषा और साहित्य |
| 19. | गणित | 36. | पाली भाषा और साहित्य |
| 20. | यांत्रिक इंजीनियरिंग | 37. | मैथिली भाषा और साहित्य |

# निबंध

- आपको शब्द गणना सहित तीन-तीन निबंध लिखने होंगे। इसके तीन खंड हैं - खंड I, खंड II और खंड III। निबंध लिखने के लिए उम्मीदवार प्रत्येक अनुभाग से एक विषय का चयन कर सकते हैं। निबंध कुल 300 अंकों का होगा।

अनुभाग - I — अंक

- दार्शनिक निबंध
- दिए गए विषयों में से कोई एक (01) निबंध लिखें। — 100 अंक

खंड -II

- समसामयिक निबंध — 100 अंक
- दिए गए विषयों में से कोई एक (01) निबंध लिखें।

खंड-III

- (बिहार विशिष्ट विषय) — 100 अंक
- दिए गए विषयों में से कोई एक (01) निबंध लिखें।
- इस खंड के प्रश्न देवनागरी लिपि में होंगे और इसका रोमन लिपि में लिप्यंतरण किया जाएगा।

## व्यक्तित्व परीक्षण

मुख्य परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों का पर्सनैलिटी टेस्ट 120 अंकों का होगा।

मेरिट लिस्ट कुल 1020 अंकों (900+120) के आधार पर तैयार की जाएगी।

आयोग के पास सफल उम्मीदवार को किसी भी सेवा या पद के लिए सिफारिश करने का अधिकार सुरक्षित है जिसके लिए उम्मीदवार ने अपनी इच्छा व्यक्त की है और जिसके लिए आयोग उसे उपयुक्त मानता है।

साक्षात्कार में उम्मीदवारों के व्यक्तित्व और उनमें अधिकारी जैसी योग्यताओं का आकलन किया जाएगा।

इसे ज्ञान परीक्षण के जैसा नहीं समझा जाना चाहिए।

## बीपीएससी परीक्षा पैटर्न

| | |
|---|---|
| प्रारंभिक परीक्षा | 150 अंक |
| मुख्य परीक्षा | 900 अंक |
| सामान्य हिंदी (क्वालिफाइंग) | 100 अंक |
| वैकल्पिक विषय (क्वालिफाइंग) | 100 अंक |
| सामान्य अध्ययन - I | 300 अंक |
| सामान्य अध्ययन - II | 300 अंक |
| निबंध | 300 अंक |
| व्यक्तित्व परीक्षण | 120 अंक |
| कुल | 1020 अंक |

# JOIN THE TEAM OF
# "Experienced & Renowned Faculties at PRAYAS IAS ACADEMY"

प्रयास
IAS ACADEMY

An Institute For **UPSC** & **BPSC**

**Mr. M K Sahay**
Academic Director, PRAYAS IAS
Ex. Sr. Faculty (History) RAU'S IAS, Delhi
27 years & above Experience

**Mr. Neeraj Nachiketa**
Ex. Sr. Faculty (Sc. Tech)Vajiram & Ravi, Delhi
25 years & above Experience

## POLITY, IR & GOVERNANCE

Mr. Kiran Anishetti

Mr. Nitin Kumar

Md. Parvej

## GEOGRAPHY | ECONOMY | ETHICS

Mr. DK Upadhyay

Mr Amit Mathur

Md. Rizwan Alam

## CSAT & DI | ESSAY | CURRENT AFFAIR

Mr. Satyam Kumar

Mr. Prabhat Kumar

Mr. Abhishek Tiwari

**BPSC Syllabus**

# प्रयास
## IAS ACADEMY

**An Institute For UPSC & BPSC**

Prayas IAS Academy Boring Road, Patna

Lal Bahadur Shastri Academy of Administration
Mussoorie

**Pushpanjali Palace,**
**Boring Road Chauraha, Patna-800001**

**8818810183 | 8818810184**

www.prayasiasacademy.com

prayasiasacademy101@gmail.com

prayasiasacademy